पंजीकरण प्रपत्र

सेवा में,
निदेशक
संसदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय, डीआरडीओ
मुख्यालय, नई दिल्ली–110011

इस संगठन/कार्यालय/विश्वविद्यालय से निम्नलिखित प्रतिभागियों को तृतीय अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन में भाग लेने हेतु नामित किया जाता है।

नाम .....
पदनाम .....

शोधपत्र/लेख का शीर्षक .....
संगठन/कार्यालय/विश्वविद्यालय .....
का नाम एवं पता .....
.....
.....
दूरभाष .....
मोबाइल .....
फैक्स .....
ई–मेल .....

सभी पत्राचार निम्नलिखित ई–मेल के माध्यम से करें:
drdo.sammelan@gov.in

'उन्मेष - 2026'

तृतीय अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन विवरणिका

आज के इस सूचना एवं प्रौद्योगिकी के युग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में हो रहे नवीन अनुसंधानों का सफल प्रबंधन अपरिहार्य है। इस राजभाषा सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे सभी नवीनतम अनुसंधानों और संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा के लिए एक साझा मंच प्रदान करना है। हिंदी आम जनमानस की भाषा है और इस सम्मेलन के द्वारा विज्ञान के माध्यम से हो रहे अकल्पनीय परिवर्तनों के साथ–साथ विश्व को एक नई दिशा देने वाली प्रौद्योगिकीय संभावनाओं पर राजभाषा हिंदी में विचार रखे जाएंगे। राजभाषा हिंदी में प्रस्तुत किए गए वैज्ञानिक एवं तकनीकी शोध–पत्र, लेख, प्रस्तुतियां हमारे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े युवा शोधार्थियों तक पहुंचे, यही हमारा लक्ष्य है।

'उन्मेष 2026' का विषय

राष्ट्र के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका

आयोजन तिथि
10–11 जनवरी 2026

आयोजन स्थल

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल)
कोच्चि

'उन्मेष - 2026'

तृतीय अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन विवरणिका

10–11 जनवरी 2026

मुख्य आयोजक
डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली

सह आयोजक
नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल)
कोच्चि

मुख्य संरक्षक
सचिव, रक्षा अनु. एवं वि. विभाग एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ

संरक्षक मंडल
महानिदेशक (एन एस एवं एम)
महानिदेशक (आर एवं एम)

संयोजक
निदेशक, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला, कोच्चि
निदेशक, संसदीय कार्य, राजभाषा तथा संगठन पद्धति निदेशालय, दिल्ली

सह संयोजक
डॉ रमा देवी एम, वैज्ञानिक 'जी'

उप संयोजक
श्री चंद्र प्रकाश मीणा, वैज्ञानिक 'एफ'
श्री राम लोचन अवस्थी, वैज्ञानिक 'ई

समन्वयक

श्रीमती अरुण कमल
सहायक निदेशक (रा.भा.)
दिल्ली
फोन नं. 9811015727

सुश्री अश्विनी श्रीधर
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी
कोच्चि
फोन नं. 8861139082

डीआरडीओ–एक परिचय

डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय की अनुसंधान एवं विकास शाखा है, जिसका कार्य भारतीय सशस्त्र बलों के लिए अत्याधुनिक हथियारों तथा प्रणालियों का डिजाइन तथा विकास करना है। डीआरडीओ की स्थापना 1958 में विज्ञान आधारित सामर्थ्य निर्माण के लिए की गई, जिससे मौजूदा शस्त्र प्रणालियों और अन्य आयातित रक्षा उपकरणों के स्थान पर स्वदेशी उपकरण तैयार किए जा सकें। डीआरडीओ का विज़न है देश को अत्याधुनिक उन्नत स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों से सशक्त बनाना।

राजभाषा हिंदी के संदर्भ में डीआरडीओ द्वारा की गई कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ:–

- राजभाषा विभाग की कीर्ति पुरस्कार योजना के अन्तर्गत कई बार डीआरडीओ की पत्रिकाओं को पुरस्कार की प्राप्ति।
- कंठस्थ–2 का डीआरडीओ इंट्रानेट 'द्रोणा' पर कस्टमाइजेशन।
- विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर दो अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन 'उन्मेष'का सफल आयोजन।
- डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा प्रतिवर्ष आठ वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठियों का आयोजन।
- डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा लगभग 50 गृह पत्रिकाओं के सामान्य एवं तकनीकी अंकों का प्रकाशन।
- विज्ञान, इतिहास और साहित्य की विभिन्न विधाओं की हिंदी पुस्तकों
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की अनेक नई पहलों के सफल कार्यान्वयन में भागीदारी।
- डीआरडीओ विशेष तकनीकी शब्दावली का प्रकाशन।

डीआरडीओ देश की सुरक्षा के साथ–साथ भाषा के विषय पर भी सजग है और राजभाषा से जुड़ी अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के प्रति सदा समर्पित रहा है।

कोच्चि: एक परिचय

कोच्चि, भारत के केरल राज्य के एर्नाकुलम जिले में अरब सागर के तट पर स्थित भारत का प्रमुख बंदरगाह शहर है। यह एक अनूठा पर्यटन स्थल है, जिसे हर व्यक्ति को अपने जीवनकाल में एक बार अवश्य देखना चाहिए। यह

शहर पहले कोचीन के नाम से जाना जाता था। यह शहर हमेशा से ही पर्यटकों का पसंदीदा गंतव्य रहा है इसलिए इस शहर का वर्णन प्राचीन यात्रियों के वृत्तांतों में मिलता है। वास्तव में कई पुर्तगाली परिवार कोच्चि में पूरी तरह बस चुके हैं और इसे अपना पुश्तैनी घर मानते हैं। यह शहर बहुसांस्कृतिक प्रभावों का जीवंत उदाहरण है, जहाँ हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, यहूदी और अन्य समुदायों का शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व देखा जा सकता है। यहाँ केरल की संस्कृति के साथ–साथ यहूदी, अरबी, यूरोपीय और चीनी प्रभाव भी देखने को मिलते हैं।

यह शहर प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है। फोर्ट कोच्चि औपनिवेशिक काल की वास्तुकला, चर्च, संग्रहालय और आर्ट गैलरी के लिए प्रसिद्ध है। कोच्चि के राजाओं द्वारा बनवाया गया मैट्टनचेरी पैलेस अब संग्रहालय के रूप में तब्दील हो गया है। 16वीं शताब्दी में निर्मित यहूदी सिनेगॉग, फोर्ट कोच्चि के समुद्र तट पर स्थित मछली पकड़ने हेतु प्राचीन विशाल चीनी जाल पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। केरल फोकलोर म्यूजियम में राज्य की लोक कला और संस्कृति का समृद्ध संग्रह है। कोच्चि के तृप्पूणित्तुरा में स्थित हिल पैलस कोच्चि राजवंश का पूर्व निवास अब एक भव्य संग्रहालय है। कोच्चि के वाईपिन द्वीप और चेराई बीच, समुद्रतट प्रेमियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। कोच्चि शहर में स्थित लुलु मॉल भारत के सबसे बड़े शॉपिंग मॉल्स में से एक है जो आधुनिक कोच्चि का प्रतीक है।

आवश्यक जानकारियां

लेख तैयार करने एवं प्रस्तुतीकरण संबंधित सामान्य दिशा–निर्देश निम्नलिखित हैं:

1. लेख/शोध–पत्र की सॉफ्ट कॉपी नाम, पदनाम, कार्यालय का नाम, मोबाइल नं. एवं ई–मेल आईडी के साथ अपलोड करें।
2. लेख के साथ मौलिकता एवं गोपनीयता प्रमाण–पत्र अवश्य भेजें। (प्रारूप संलग्न)
3. सम्मेलन में लेख/शोध पत्र प्रस्तुतीकरण की भाषा राजभाषा हिंदी है। प्रस्तुति का एक सत्र मलयालम भाषा के शोध पत्रों का भी होगा।
4. लेख की भाषा सरल हिंदी हो, लेख में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों के प्रयोग का प्रयास किया जाए। उद्धृत विषय पर मलयालम भाषा में भी शोध पत्र आमंत्रित हैं।
5. तकनीकी लेख में अनुसंधान एवं विकास से संबंधित कार्यों की प्रस्तावना के साथ, शोध कार्य का विवरण, महत्वपूर्ण परिणाम, उपयोगिताएं एवं अंत में कार्य का निष्कर्ष लिखना बेहतर होगा।
6. पूर्ण लेख की टंकित सॉफ्ट प्रति वर्ड प्रारूप में यूनिकोड फोंट में भेजें। शीर्षक का फोंट साइज 14 और लेख का फोंट साइज 12 होना चाहिए। लेख की ए4 साइज में वर्ड में प्रेषित सॉफ्ट प्रति ही स्वीकार्य होगी।
7. पूर्ण लेख में शब्दों की अधिकतम संख्या 4000 शब्द हैं।
8. सम्मेलन में शोध पत्र/लेख की प्रस्तुति हेतु विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। लेख/शोध पत्र की मौखिक प्रस्तुति के लिए वक्ता को दस मिनट का समय दिया जाएगा।
9. चयनित प्रतिभागियों को प्रस्तुति के संदर्भ में सूचना यथासमय जाएगी।
10. सम्मेलन स्मारिका : सम्मेलन में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी स्वीकृत लेखों को सम्मेलन स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा।
11. आवास व्यवस्था : सम्मेलन के लिए चयनित विद्यार्थी प्रतिभागियों के लिए अग्रिम सूचना के आधार पर आवास की व्यवस्था की जाएगी। अन्य प्रतिभागी अपने आवास एवं परिवहन का प्रबंध स्वयं करेंगे।

- **लेख प्राप्ति की अंतिम तिथि : शोध–पत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2025 है। इस तिथि के बाद प्राप्त होने वाली प्रविष्टियां स्वीकृत नहीं होंगी।**
- **शोध पत्र चयन से संबंधित सूचना 01 दिसंबर 2025 तक दी जाएगी।**